NT>

Title: Need to take action against the licensed mobile operators for cheating their subscribers.

श्री चन्द्रनाथ सिंह (मछलीशहर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से संचार मंत्री तथा वित्त मंत्री जी का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। भारत सरकार द्वारा उाा कम्पनी को मोबाइल फोन का लाइसेंस दिया गया था। इस कंपनी ने अरबों रुपया उपभोक्ताओं से लिया, स्वयं मैंने भी दस हजार रुपये सिक्युरिटी के जमा कराये थे। हम जानते हैं उत्तर प्रदेश के जिलों के तमाम लोगों ने इस कंपनी की डीलरशिप ली। तीन-चार साल तक उाा मोबाइल फोन ऑपरेट करती रही और उसके बाद अचानक उसने इसे बंद कर दिया। जिन लोगों की सिक्युरिटी वहां फंसी है, किसी की भी सिक्युरिटी वापस नहीं दी जा रही है। तहसील हैडक्वार्टर और डिस्ट्रिक्ट हैडक वार्टर पर लोग इसके डीलर बने थे, उनका भी पैसा वापस नहीं दिया जा रहा है। इसका मतलब यह है कि सरकार की मिलीभगत है। कंपनी अरबों रुपया लेकर बैठी हुई है।

अध्यक्ष महोदय, दूसरी हच कंपनी है। मैं विदेश यात्रा पर जा रहा था, मैंने सोचा घरवालों से बात करनी होगी, इसलिए मैंने दस हजार रुपये का कार्ड ले लिया। मैं ि वदेश गया तो उसने काम ही नहीं किया। मैं बाहर से वापस आया और मैंने एक महीने का 1300 रुपये बिल भी दे दिया। अब वह मोबाइल फोन काम नहीं कर रहा है और पांच हजार रुपये का बिल फिर आ गया है।

अध्यक्ष महोदय : विदेश यात्रा का क्या होगा।

श्री चन्द्रनाथ सिंह : मैं वहां बात ही नहीं कर पाया। मैंने इसलिए खरीद लिया कि घरवाले तथा मित्र हमें फोन करेंगे। लेकिन मोबाइल फोन ने काम नहीं किया। मेरे जैसे लोग, जो एक सांसद है, ने पैसा जमा करा रखा है। लेकिन फ्रॉड कंपनी लोगों का पैसा लेकर बैठी हुई है। कंपनी भाग रही है, बंद हो रही है। मैं जानना चाहता हूं कि सरकार इसके ऊपर क्या कार्रवाई कर रही है। उाा कंपनी ने अरबों रुपया उपभोक्ताओं का ले लिया है और वह पैसा वापस कराने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। क्या सरकार इस कंपनी से मिली हुई है या नहीं, यह स्पट होना चाहिए। माननीय मंत्री जी यहां नहीं हैं, लेकिन संसदीय कार्य मंत्री जी यहां हैं। मैं चाहूंगा कि वे मेरी इस बात का जवाब दें कि क्या लोगों का पैसा सरकार वापस करायेगी।

श्रीमती रेणुका चौधरी (खम्माम) : ब्याज सहित।

श्री चन्द्रनाथ सिंह : मूलधन ही वापस हो जाए, ब्याज कौन देता है। मैं जानना चाहता हूं कि इसके ऊपर सरकार द्वारा कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। मेरा न हो और लोगों का वापस हो जाए। उाा कंपनी जो बंद हुई है, उसने लोगों का पैसा लिया है। उस पर सरकार क्या कार्रवाई कर रही है।